आईआईटी : सिंगापुर के साथ डिग्री प्रोग्राम

- आईआईटी ने एनयूएस सिंगापुर में रेखांकित किये सात विशिष्ट विभाग
- आईआईटी इंजीनियरिंग, मानविकी व सामाजिक विज्ञान, साइंस में बेहतर

कानपुर, शिक्षा संवाददाता: भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) व एनयूएस सिंगापुर संयुक्त रूप से इंजीनियरिंग का डिग्री प्रोग्राम शुरू करेंगे। शिक्षक मानते हैं कि शिक्षा व शोध का समझौता भी दोनों संस्थानों को नयी ऊंचाइयां देगा।

विज्ञान व प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व जरूरतों के मुताबिक शोध के लिये आईआईटी से कई देशों ने हाथ मिलाया है। उन्हीं में से एक सिंगापुर के 18 सदस्यीय विशेषज्ञ दल ने यहां आकर पड़ताल के बाद आईआईटी को दोस्त बनाया है।

दुनिया भर की निगाहें -4

उधर आईआईटी के निदेशक प्रो. संजय गोविंद धांडे, उप निदेशक कृपाशंकर, प्रो. मनिंदर सिंह, प्रो.दीपक कुंजु, प्रो. वाईएन मेहरोत्रा व प्रो. मुकेश शर्मा की टीम ने भी सिंगापुर के संस्थानों का दौराकर दोस्ती पर सहमति जताई। दोनों के बीच हस्ताक्षरित हुये ओएमयू में सबसे महत्वपूर्ण संयुक्त डिग्री प्रोग्राम है। चूंकि सिंगापुर यह प्रोग्राम आईआईटी मुंबई के साथ भी चला रहा है, इसलिये इसका आधुनिकीकरण करके यहां शुरू करने की योजना है।

सिंगापुर के विशेषज्ञ मानते है कि आईआईटी एक संपूर्ण विश्वविद्यालय नहीं है परंतु वह साइंस, इंजीनियरिंग, मानविकी व सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में संस्थान काफी मजबूत है इसलिये इन क्षेत्रों में साथ मिल कर काम करना लाभप्रद होगा।

आईआईटी ने सिंगापुर एनयूएस में सात संस्थानों (विभागों) सेंटर फॉर आयन बीम एप्लीकेशंस (सीआईबीए), सरफेस साइंस लैबोटरी (एसएसएल), नैनोफाइबर लैबोटरी, मिटीरियल साइंस, केमिकल साइंस, बायोलॉजिकल एंड लाइव साइंसेज लैबोटरीज, एनयूएस इनवायरमेंटल रिसर्च इंस्टीट्यूट, साइबर सेक्योरिटी, बायोइंफरमेटिक्स एंड क्वांटम कंप्यूटिंग लैब्स, डिजाइन, मैन्युफैक्चरिंग एंड इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग लैब्स को अवस्थापना सुविधाओं में प्रयोगशालाओं के स्तर पर बेहतर पाया है।

इन संस्थानों में आईआईटी के छात्र व शिक्षक काम कर सकेंगे जबकि सिंगापुर के छात्र व शिक्षक आईआईटी के कई विभागों व प्रयोगशालाओं का उपयोग कर सकेंगे। दोनों संस्थानों के बीच शोध व पोस्ट ग्रेजुएट गतिविधयों को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से आगे भी बढ़ाया जायेगा। उप निदेशक कृपाशंकर के मुताबिक एमटेक व पीएचडी छात्र संयुक्त रूप से शोध कर सकेंगे। संयुक्त डिग्री प्रोग्राम की विस्तृत रूप रेखा तैयार की जा रही है जो आईआईटी मुंबई से अलग किस्म की होगी। इससे यहां के छात्र सिंगापुर के विशेषज्ञों से कई महत्वपूर्ण विषयों के बारे में व्याख्यान सुन सकेंगे।